



ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १ ॥  
 ॐ शान्तिं शान्तिं शान्तिं ॥ २ ॥  
 ॐ वृद्धिं वृद्धिं ॥ ३ ॥  
 ॐ सुखं सुखं ॥ ४ ॥  
 ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ५ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ६ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ७ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ८ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ९ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १० ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ११ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १२ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १३ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १४ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १५ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १६ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १७ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १८ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ १९ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २० ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २१ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २२ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २३ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २४ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २५ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २६ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २७ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २८ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ २९ ॥  
 ॐ ॐ सुखं शान्तिं वृद्धिं ॥ ३० ॥

烏蜀澁摩儀軌一卷